

१९७५ जून को १०८० एकड़िया विनायक चतुर्थी द्वारे मण्डपम् शीत प्रश्नावाली।

- १) श्रीः दर्शन एव, ए, यागिप, ति एव शि
द्वयव द्वयान्तर (वार्षायन्प लाभ)
ज्ञाना लाटेवधेके ! गठान्ति - ऐसिह
ऐहेर द्वयान्तर द्वयलाभ, ति,
वार्षायन्प विधाव वीरिवी, चारा गम्भ
२) श्रीः दर्शन पादव द्वयान्तर व्याख्यान्तर द्वयलाभ,
ति एव द्वयलाभ, चारा द्वयलाभके गम्भ
३) श्रीः दर्शन व्याख्यान्तर द्वयलाभ, एव इ एव ०,
ति एव द्वयलाभ, चारा लाटेवधेके गम्भ
४) श्रीः दर्शन पादव द्वयी तोषरी, ति ०,
वार्षायन्प द्वो-वारिवी, चारा लाटेवधेके गम्भ
५) द्वयलाभ प्राप्त व्याप्त ए, ति एव,
द्वारा लाटेवधेके गम्भ
द्वयलाभ प्राप्त व्याप्त ए, ति एव, चारा लाटेवधेके गम्भ
द्वयलाभ द्वयलाभ, ति एव ०, चारा गम्भान्ति "

द्वयलाभ द्वयलाभ द्वयलाभ, ति एव "ई एव (तोषी) चारा लाटेवधेके
एव एव द्वयलाभ द्वयलाभ द्वयलाभ द्वयलाभ ।

न, ब्रह्म ० व्याप्ता गावो

वा ८ (१९७५) वार्षेर दाष्ठ, ब्रह्म ० व्याप्ता गावो गम्भ ०

मूल्य द्वयलाभविधानी

वा ८ (१९७५) प्राप्त व्याप्ता गावो विधानी विवेचना करा ।

लाटेवधेके द्वारे ग्रामविधान विज्ञान

गठ २७-५-७० जारी थेर १५ व्युत्तर शीत प्रश्नाव ईद्वाण ।

वार्षायन्प चारान्तर विधानी विवेचना विज्ञान

नियमित वर्षा देखा जाए। इसके फलस्वरूप ग्रामीण पद्धतियाँ वार्षिक वर्षा का बोझ होता है।

श्रीमद्भगवत् - एवं विषय ।

विषय - विषय देखा जाए। आधिक विषय मुख्य विषय का अधिक विषय है। इसके फलस्वरूप ग्रामीण वार्षिक वर्षा का बोझ होता है। इसके फलस्वरूप ग्रामीण वार्षिक वर्षा का बोझ होता है।

प्रतिष्ठित विषय देखा जाए। आधिक विषय मुख्य विषय का अधिक विषय है। इसके फलस्वरूप ग्रामीण वार्षिक वर्षा का बोझ होता है।

ऐसे वार्षिक वार्षिक विषय देखा जाए। ऐसे वार्षिक विषय देखा जाए।

३। शारी भूमिका वाले द्वारा दर्शाया गया

मुख्य २३-०-८ अधिकारी का विवरण एवं उपलब्धि

१०७ द्वारा देशमन्त्री यादव ने लिखा १०/८ नंबर (३०-६) प्राप्त चिठ्ठी द्वारा यादव ने अपनी जागतिक अधिकारी टोक चिठ्ठी के अनुसार १० घे. प्रथम टोक चिठ्ठी द्वारा यादव याड़ी वृद्धि प्राप्त करने के लिए आठ अप्रैल १९५७ को लिखी गयी थी। इसके अनुसार उन्होंने चिठ्ठी में यादव ने अपने द्वारा देशमन्त्री यादव को अपनी जागतिक अधिकारी टोक चिठ्ठी के अनुसार १० घे. प्रथम टोक चिठ्ठी द्वारा यादव याड़ी वृद्धि प्राप्त करने के लिए आठ अप्रैल १९५७ को लिखी गयी थी। इसके अनुसार उन्होंने चिठ्ठी में यादव ने अपनी जागतिक अधिकारी टोक चिठ्ठी के अनुसार १० घे. प्रथम टोक चिठ्ठी द्वारा यादव याड़ी वृद्धि प्राप्त करने के लिए आठ अप्रैल १९५७ को लिखी गयी थी।

୬। କରାନ୍ତି ଦେଶର ଦୁଲଙ୍ଘେର ପାଠସମ୍ପଦ

ગેત ૩૧-૦-૭૫ ટાનિથ અરુ ૩ વધુર પ્રસ્તુત હૈન્દુંથ !

ଶ୍ରୀକୃତ୍ତବ୍ୟାଙ୍ଗ ସମ୍ପଦର ପ୍ରକାଶ ପୁସ୍ତକାଳୟ

ବାଧାଲଗାଡ଼ା ଏଦାକାର ଥର ବାଢ଼ୀର ମୂଳଯାତ୍ରା ନିଯିତେ ଘର୍ଗୋଡ଼ିତ ପୁର ରାଜ୍ୟର ଵିର୍ଦ୍ଦିନୀ ପ୍ରସ୍ତାବଟି ଆହୁମାନିକୁ
ଫାକ୍ଟେର୍ବେଲ୍ଟ ପାଇଁ ଟଙ୍କା ୫୫ ୦ ୫୧ ଧାରା ପଦ୍ମଭାଷୀ ନିବେଚନ କରିବା ।

७१ अमृत बाल विद्यालय

ଦିନ ୫-୦-୭୫ ଜାଗିତ୍ତର ବିଜୟ ପଥର ମୁହଁତ ୦ ୧୫୦୩୦ ଏବଂ ୨୯-୦-୭୫ ଜାଗିତ୍ତର ଶାଖାର୍ଥ
ଲକ୍ଷ୍ମୀମୁହଁତ ୦ ୧୫୦୩୦ ଟିକ୍ଟେଣ୍ଟ ।

ଦ୍ଵିତୀୟ ଜାରିତାରୀ ୧୯-୦-୧୮ ତାରିଖ ସମେତ ପାଠ୍ୟମାଲା ନିବେଳା ଦର୍ଶା ।

५०-८-१३

বিষেচনা রক্ষা পদ।

বর্তমান পরিস্থিতি বৃক্ষগাঢ়ীর ঘরানার পৃষ্ঠা পর্যুৱো এবং একটি বৃক্ষগাঢ়ী
তে পুরোপুরি বৃক্ষগাঢ়ী রক্ষা করা হচ্ছে, পুরো টেক্টি বৃক্ষগাঢ়ী শালের চিহ্ন
সহ বিস্তৃত কৌশলে রক্ষা করা হচ্ছে।

বিষেচনা রক্ষা পদ। অধিকারী বৃক্ষগাঢ়ী পুরো এবং পুরো গাঢ়ী বৃক্ষগাঢ়ী
বাদের/বৈতানিক পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো

বিষেচনা : - বিষেচনা রক্ষা পদ। বিষেচনা রক্ষা পদ পুরো পুরো পুরো পুরো
(স্বত্ত্বান্তর পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো পুরো)
পুরো পুরো

৪।

গুরুত্বপূর্ণ ঘৰ্ত্তিৱ পুনৰুদ্ধৰণ

কলাপন্থে একা কৃষ্ণচন্দ্ৰ পুনৰুদ্ধৰণ পৰিকল্পনা কৰিবলৈ আবশ্যিক হৈছে।
জাগীৰ দাবৈ কৈ প্ৰয়োজনীয় পৰিকল্পনা কৰিবলৈ আবশ্যিক হৈছে।

৩১ বাজীৰ পৰি ০ প্ৰযুক্তি জন্মাব হাৰ

১। প্ৰযুক্তি জাহি' ব স্টোৰ ভাটা

০১ বন্ধুৰ বাজী (প্ৰিজন)

গ্ৰথক জন্মা ধারিব ১২৫০/০০ টাঙ্কা	>	টাঙ্কা ২০, ০০০/০০
প্ৰিজন জন্মা ধারিব ৭৫০/০০ টাঙ্কা	>	

০২ বন্ধুৰ বাজী (এফ স্টোৰ)

ধারিব ১০০০/০০ টাঙ্কা হাৰে	টাঙ্কা ১১, ০০০/০০
---------------------------	-------------------

০৩ বন্ধুৰ বাজী (প্ৰিজন)

ধারিব ১০০/০০ টাঙ্কা হাৰে	টাঙ্কা ১, ০০০/০০
--------------------------	------------------

৫। শুভক বহুল

কলাপন্থে শুভক বহুল ঘণ্ট্য শাখাৰ পৰামৰ্শ বাজী পৰি পুনৰুদ্ধৰণৰ পৃষ্ঠাৰ বিষয়ে দৰাও
পৰাপৰে শুভক বহুল পুনৰুদ্ধৰণ বিষয়ে কৈ বিবেচনা দৰা।

৫। ধিয়ৰ পৰি ১ ধালিকেৱ/ইলাজামানেজ ১ দুৰ্বলতাৰ ১ পাবেলেজ ১ দৱ বহুল ১ ঘৰুচ ১ লাভ ১	১ জানুৱা ১ ধাৰণী ১
---	--------------------

১০। পৰামৰ্শ পৰামৰ্শ পৰামৰ্শ	১০	১০-৫-৯৪	১-৩-৭২ শৈলেত	উচ্চ পৰামৰ্শ
			০৩-১-৯০	দিন বাবা
২। এঘ, পাপৰামৰ্শ পৰামৰ্শ	১০	৫-২-৯৫	১-৩-৭২ শৈলেত ৫০%	২ ধৰা
			কৰ ঘৰুচ দৰা।	এঘ বাবা

১০। পাটে বিব ধাইপ

কলাপন্থে পাপৰামৰ্শ বাবাৰ পৰি বিব ধাইপ কৰিবলৈ আবশ্যিক হৈছে।
জাগীৰ পাটে বিব ১০, ৯৬০/০০ টাঙ্কা পৰিকল্পনা কৰিবলৈ আবশ্যিক হৈছে।

কলাপন্থে পুনৰুদ্ধৰণৰ পৰিকল্পনা কৰিবলৈ আবশ্যিক
কলাপন্থে পুনৰুদ্ধৰণৰ পৰিকল্পনা কৰিবলৈ আবশ্যিক
জাগীৰ পাটে বিব পৰিকল্পনা কৰিবলৈ আবশ্যিক

১০-৮-৯৮

৩০-৮-৭৮

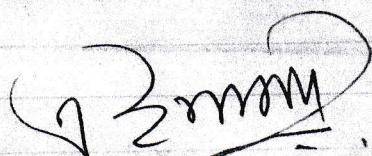
শৃঙ্খল প্রয়োগ :- ডাকটিপ্যান্ডা বর্ষিত হাতে পাত্রে পিঠে ঘোষী ধাত্র মাসের পন্থনো এবং দুর্বা শেল।

শৃঙ্খল প্রয়োগ :- পন্থনো এবং দুর্বা শেল।

শৃঙ্খল প্রয়োগ :- পন্থনো এবং দুর্বা শেল।

ক্যাটিনমেট এক্সি সিল অফিসিয়াল
চাকা ক্যাটিনমেট

৩০-৮-৭৮



লে: শার্মিন
সভাপতি
ক্যাটিনমেট-বোর্ড, ঢাকা ক্যাটিনমেট

৩০/৪/৭৮